AUDIO VIDEO Play

भजन

जाग री– मेरी सुरत सुहागिन
जो जागे सो पिया की प्यारी,
पावे अटल सोहाग री–
जाग री–
1–रैन गई अब काहे को सोवे,
नींद निगोड़ी त्याग री
जाग री–
2–बांह पकड़ पिया आप जगावन,
धन –धन पूरन भाग री
जाग री–
3–चलो री सखी सिनगार सजो री,
रल मिल खेले फाग री
जाग री–
4–कहत मुकुंद धनी मिले हमसो,
जगत प्रीत को त्याग री
जाग री–